E-ISSN: 2708-4523
P-ISSN: 2708-4515
AJMC 2022; 3(2): 98-101
© 2022 AJMC
www.allcommercejournal.com
Received: 17-05-2022
Accepted: 20-07-2022

डॉ० बबिता वैदिक
एसोसिएट प्रोफेसर, विभाग अर्थशास्त्र, ठाकुर बीरी सिंह महाविद्यालय, टूंडला, फिरोजाबाद, उत्तर प्रदेश, भारत

Correspondence
डॉ० बबिता वैदिक
एसोसिएट प्रोफेसर, विभाग अर्थशास्त्र, ठाकुर बीरी सिंह महाविद्यालय, टूंडला, फिरोजाबाद, उत्तर प्रदेश, भारत

आम जनता के निवेश से अर्थव्यवस्था पर प्रभाव

डॉ० बबिता वैदिक

सारांश
उदेश्य: आम जनता के निवेश का अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन करना।
प्रक्रिया: आम जनता सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न निवेश योजनाओं जैसे. लोक भविष्य निधि, डाक घर योजना, बीमा योजना, शेयर मार्किट की योजनाएं, आई०पी०ओ० आदि में निवेश करते है और अपने निवेश की मेच्योरिटी प्राप्त करते है। तथा सरकार इन पैसों को निश्चित समय तक देश की अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए उपयोग करती है। और निश्चित समय के बाद निवेशकों को उनके निवेश में लाभ के साथ वापस दे देती है।
निष्कर्ष: निवेश के पैसों को सरकार लोक कल्याण की योजनाओं में उपयोग करने के साथ खुद भी कुछ लाभ प्राप्त करती है। और साथ ही साथ निवेशकों को अपने अपने समय पर लाभ के साथ मेच्योरिटी भी देती है।

कूट शब्द: शेयर मार्केट, लोक भविष्य निधि, बीमा, अर्थव्यवस्था

प्रस्तावना
हमारे देश में आम जनमानस अपनी जीविका के लिए कुछ ना कुछ रोजगार जरूर करता है चाहे वह व्यवसाय हो या नौकरी और इस से प्राप्त धन से अपने परिवार का पालन पोषण तथा अपनी दैनिक आवश्यकता पर खर्च करता है। परंतु इन सबके अलावा उसका ध्यान बचत करने पर होता है यह बचत उसके भविष्य की निधि होता है। जिस पर उसकी भविष्य की योजनाएं निर्धारित करती है इस प्रकार प्रत्येक व्यक्ति अपनी बचत का निवेश सरकार या शेयर बाजार तथा बीमा कंपनी द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं जैसे- फिक्स डिपाजिट,राष्ट्रीय बचत पत्र,विभिन्न जीवन बीमा पॉलिसी, IPO, PPF, RD, SIP आदि में करता है। और यह योजनाएं अपने समय पर मैच्योर होकर निवेश करने वालों को लाभ पहुंचाती है। इस तरह निधि का यह पैसा एक निश्चित समय तक सरकार के पास रहता है जब तक कि यह निवेश मेच्योर ना हो जाए और सरकार इस पैसे को विभिन्न मदों में खर्च करती है और इससे प्राप्त लाभ से ही निवेशकों को उसके निवेश की मैच्योरिटी देते हैं। साथ ही साथ इससे अपनी अर्थव्यवस्था को भी सुदृढ़ करते है। निवेश न हो तो बचत किस काम की। पैसा का ज्यादा फायदा लेने के लिए निवेश जरूरी है इसलिए कहा जाता है पैसा ही पैसा कमा कर देता है और यह बात सरकार और निवेशक दोनों पर लागू होती है।
आगे हम विभिन्न बिंदुओं में निवेश के विभिन्न तरीकों तथा उस निवेश के धन का सरकार द्वारा विभिन्न मदों में खर्च करने के तरीकों तथा उससे होने वाले अर्थव्यवस्था के प्रभाव पर चर्चा करेंगे।

बचत का निवेश कहां कहां करते हैं

आम आदमी अपनी बचत को निवेश करके ज्यादा से ज्यादा रिटर्न चाहता है। निवेश के किसी विकल्प को चुनते वक्त आम आदमी को जोखिम उठाने की क्षमता के बारे में जानना समझना जरूरी है। कुछ निवेश ऐसे हैं जिनमें अधिक जोखिम के साथ अधिक रिटर्न का मौका मिलता है। निवेश के वास्तव में दो तरीके हैं वित्तीय और गैर वित्तीय निवेश ।

आम आदमी अपनी बचत को निम्नलिखित विकल्प में निवेश कर सकता है।

1. बीमा

किसी भी निवेशक के पोर्टफोलियो में कमाई शुरू करने के तुरंत बाद बीमा सबसे महत्वपूर्ण वित्तीय उपकरण है। यह एक कम जोखिम वाला निवेश है जो बचत को प्रोत्साहित करता है और आपको और आपके परिवार को मृत्यु दुर्घटना या गंभीर बीमारी जैसी जीवन की अनिश्चितताओं के खिलाफ कवर प्रदान करता है। बीमा आपकी अनुपस्थिति में भी जीवन व्यय जैसे विवाह और शिक्षा संभावित ऋण और चिकित्सा बिल आदि का भुगतान करने में मदद कर सकता है। एचडीएफसी लाइफ प्लान चुनने के लिए ही बेहतरीन विकल्प प्रदान करता है।

(I) लाइव प्रोटेक्ट योजना

यह आप ही परिवार के लिए बुनियादी सुरक्षा प्रदान करता है। पॉलिसी अवधि के दौरान पॉलिसी धारक की मृत्यु की स्थिति में एकमुश्त राशि प्रदान करता है।

(II) जीवन और सी आई पुनसंतुलन योजना

यह योजना मृत्यु और गंभीर बीमारी लाभ के बीच संतुलन बनाता है। जिसमें गंभीर बीमारी कवर बढता है और प्रत्येक पॉलिसी वर्षगांठ पर जीवन कवर कम होता है। किसी भी कवर की गई गंभीर बीमारी का पता चलने पर भविष्य के नियम को माफ कर दिया जाता है और जीवन कवर जारी रहता है।

(III) आई प्लस योजना

यह योजना पूरी पॉलिसी अवधि के लिए बीमित व्यक्ति को कवर करता है। और परिपक्वता पर एक मुश्त भुगतान और 60 वर्ष की आयु से नियमित आय भी प्रदान करता है। इसके अलावा आप एलआईसी में जीवन उमंग प्लान, एलआईसी लक्ष्य प्लान, एलआईसी मनी बैक पॉलिसी, एलआईसी न्यू जीवन आनंद आदि में भी निवेश कर सकते हैं ।

2. स्टॉक

किसी कंपनी निगम या अन्य इकाई में होल्डिंग या स्वामित्व का हिस्सा है निवेशक अपने शेयरों पर लाभांश कमाते हैं और शेयर में लंबी अवधि के होल्डिंग आमतौर पर उच्च विचार उत्पन्न करते हैं। हालांकि क्योंकि शेयर बाजार से जुड़े होते हैं जो स्वयं स्थिर होता है। वह नुकसान का अधिक जोखिम उठाते है ।

3. म्यूचुअल फंड

म्यूचुअल फंड में विभिन्न कंपनियों के स्टाफ और प्रतिभूतियों का एक पोर्टफोलियो होता है। जो आमतौर पर फंड मैनेजरो की देखरेख में होता है जो कम मध्यम या उच्च जोखिम वाले फंडों में निवेश करने के लिए विभिन्न व्यक्तियों से पैसा जमा करते हैं। व्यवस्थित निवेश योजनाएं बचत को बढ़ाने की अनुमति देती है जबकि म्युचुअल फंड में छोटे निवेश के साथ भी अधिक रिटर्न देने की क्षमता होती है ।

4. सावधि जमा (F D)

सावधि जमा उन लोगों के लिए बढ़िया निवेश है जो जोखिम से बचते हैं और निवेश पर थोड़ा कम लेकिन सुनिश्चित रिटर्न की परवाह नहीं करते हैं। वित्तीय साधन लोगों को एक निश्चित अवधि के लिए एक निश्चित ब्याज दर पर बैंक में अपनी बचत का निवेश करने की अनुमति देता है। कार्यकाल के अंत में निवेशित मूलधन और अर्जित ब्याज निवेशक को देय होता है ।

5. लोक भविष्य निधि (पीपीएफ)

यह एक लोकप्रिय निवेश उपकरण पीपीएफ आपको 15 साल की लॉक इन अवधि के लिए छोटे हिस्से को भी बचाने और निवेश करने की अनुमति देता है। कुछ निश्चित अवधि के बाद आंशिक निकासी की अनुमति है। और आप मूलधन,ब्याज और परिपक्वता राशि पर कर छूट का लाभ उठा सकते हैं। भले ही पीपीएफ बहुत ज्यादा रिटर्न ना दे लेकिन यह बेहद सुरक्षित निवेश है। इनकम टैक्स कानून के सेक्शन 80 C के किसी एक वित् वर्ष में आप पी पी एफ में डेढ़ लाख रुपये का निवेश पर टैक्स छूट प्राप्त कर सकते है।

6. नेशनल पेंशन (NPS)

नेशनल पेंशन सिस्टम हो बहुत कम फीस स्ट्रक्चर भी इसी निवेश का आकर्षक विकल्प बनाता है। बाजार से जुड़े उत्पादों में देश में यह सबसे कम खर्च वाला प्रोडक्ट है। निकासी संबंधी नियमों में बदलाव और अतिरिक्त टैक्स की छूट की वजह से ही यह निवेशक

की पसंद में शामिल हो गया है। एन०पी०एस० बच्चों की शिक्षा,शादी,घर बनाने या किसी मेडिकल इमरजेंसी की स्थिति में आंशिक निकासी की सुविधा देता है इस समय एनपीएस का एक,तीन, पाच साल का रिटर्न 9.5, 8.5 और 11 फ़ीसदी सालाना के हिसाब से रहा है ।

7. रिजर्व बैंक की टैक्सेबल बॉन्ड्स

पहले इस विकल्प में 8 फ़ीसदी सालाना का ब्याज मिलता था। जिसे सरकार ने बदलकर अब 7.75 फ़ीसदी ब्याज वाला विकल्प बना दिया है। इस बॉन्ड में 5 साल के लिए निवेश किया जा सकता है ।

8. सॉवरेन गोल्ड बांड

सॉवरेन गोल्ड बांड एक सरकारी प्रतिभूति है। जो कि सोने के ग्राम मूल्य वर्ग में उपलब्ध है। यह भौतिक सोना का एक विकल्प है । स्कीम खुलने पर निवेशक इन बॉन्ड्स में निवेश करते हैं और इसे परिपक्वता पर भुनाया जाता है। भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा भारत सरकार की ओर से सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड् योजना का प्रबंध किया जाता है। सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड में निवेश सोने की कीमतों से जुड़ा होता है। ऐसे में सोने की कीमतों में बढ़त का फायदा मिलता है वही बॉन्ड् पर 2.5 फ़ीसदी का अतिरिक्त ब्याज भी मिलता है ।

9. पोस्ट ऑफिस

सुरक्षित और बेहतर रिटर्न के लिए पोस्ट ऑफिस की बचत योजनाओं को अच्छा माना जाता है। इसकी सबसे बड़ी वजह यह है कि इस में किया गया निवेश पूरी तरह सुरक्षित होता है। पोस्ट ऑफिस 9 बचत योजनाएं चलाता है इन पर मौजूदा ब्याज दर 7.6 फ़ीसदी सालाना तक है। डाकघर बचत योजना में निवेश करके उच्च ब्याज दर के साथ-साथ कर बचत में लाभ भी ले सकते हैं। डाकघर की मुख्य बचत योजनाएं निम्नलिखित है ।

(i) नेशनल सेविंग सर्टिफिकेट

नेशनल सेविंग सर्टिफिकेट में निवेश करने के लिए मैच्योरिटी पीरियड 5 साल निर्धारित किया गया है। तथा इस योजना में निवेशकों के लिए 6 .8 प्रतिशत की ब्याज दर निर्धारित की गई है। इस योजना में निवेश करने के लिए न्यूनतम राशि ₹100 निर्धारित की गई है तथा कोई भी अधिकतम राशि निर्धारित नहीं की गई है। इसमें धारा 80 C के तहत टैक्स में डेढ़ लाख रुपए तक की छूट मिलती है ।

(ii) वरिष्ठ नागरिक बचत योजना

इस योजना में निवेशकों को 7.4 फ़ीसदी की दर से ब्याज मिलता है। इस में खाता खुलवाने के लिए उम्र 60 साल होनी चाहिए इसमें खाता खोलने की तारीख से 5 साल के बाद जमा राशि मैच्योर होती है। इस योजना का मकसद रिटायरमेंट के बाद सीनियर सिटीजन को एक रेगुलर इनकम प्रदान करना है।

(iii) किसान विकास पत्र

किसान विकास पत्र भारत सरकार की एक वन टाइम इन्वेस्टमेंट स्कीम है इसमें एक तय अवधि में आपका पैसा दुगना हो जाता है। इस पर अभी ब्याज दर 6. 90 फीसदी है।

(iv) सुकन्या समृद्धि योजना

इसकी शुरुआत बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत की गई। इसके अंतर्गत खाता खुलवाने के लिए बच्ची की आयु सीमा 10 वर्ष से कम होनी चाहिए। इस पर ब्याज की दर 7.0 फ़ीसदी है। इसमें मैच्योरिटी अवधि 15 साल है। इसमें न्यूनतम 250 रुपए का निवेश किया जा सकता है और अधिकतम राशि 1.5 लाख रुपए सालाना है। इसके तहत हर बालिका के नाम पर एक खाता खोला जा सकता है ।

(v) पोस्ट ऑफिस रेकरिंग डिपॉजिट (RD)

R D मासिक निवेश योजना है जिस पर अभी 5.8% वार्षिक ब्याज दर मिल रही है(ब्याज दर हर 3 महीने में बदलेगी) और योजना अवधि 5 वर्ष है निवेशक ₹10 प्रति माह तक निवेश कर सकता है। अधिकतम निवेश की कोई सीमा नहीं है। R.D पर किसी तरह का TDS नहीं लगता। हालांकि हर व्यक्ति के टैक्स स्लैब के मुताबिक RD से हुई कमाई पर टैक्स लगता है।

निवेश के धन के सरकार द्वारा उपयोग के तरीकों और अर्थव्यवस्था पर प्रभाव

जब आम आदमी बचत करता है तो अर्थव्यवस्था में पूंजी निर्माण की दरों में भी वृद्धि होती है। 1950 -51 में पूंजी निर्माण की दर 8 .4% थी। जो 2021-2022 जीडीपी में निवेश का अनुपात बढ़कर 29.6% हो गया भारत सरकार जनता से प्राप्त निवेश को निम्नलिखित मदों पर व्यय करके देश की अर्थव्यवस्था को विकसित एवं सुदृढ़ बना रही है।

(1) प्रति रक्षा सेवाएं

प्रति रक्षा सेवाएं भारत सरकार के यह की सबसे बड़ी मद है। जिसमें एक थल सेना,नौसेना,वायु सेना आदि युद्ध सामग्री में आत्मनिर्भरता तथा गोपनीयता बनाए रखने हेतु नवीन कारखानों की स्थापना की जा रही है। सेनाओं को पूर्णत आधुनिक अस्त्रों से सुसज्जित करने में काफी सरकार खर्च कर रही है ।

(2) सामाजिक एवं सामुदायिक सेवाएं

भारत सरकार का सामाजिक एवं सामुदायिक सेवाओं पर व्यय भी काफी तेजी से कर रही है। शिक्षा,प्रशिक्षण,स्वास्थ्य,परिवार कल्याण,सामाजिक कल्याण एवं सुरक्षा श्रम तथा रोजगार आदि पर किया गया। उसे व्यक्तियों की कार्य कुशलता में वृद्धि करके उत्पादन को बढ़ाता है।

(3) आर्थिक सेवाएं

कृषि एवं सहायक उद्योगों एवं खनिज, जल एवं विद्युत के विकास, यातायात एवं संचार, निर्यात संवर्धन इत्यादि क्षेत्रों में व्यय कर रही है। यह सब मद आर्थिक सेवाओं की परिधि में आती है। और इन पर किया गया व्यय वित्त विकास उन्मुख होता है। ऐसे व्यय से जी०डी०पी० में वृद्धि होती है और प्रति व्यक्ति आय बढ़ती है।

(4) आर्थिक सहायता

केंद्र सरकार के द्वारा खाद्यान्न सब्सिडी, घरेलू एलपीजी, सार्वजनिक वितरण प्रणाली के माध्यम से आपूरित कोरो सीन, रसायनिक खाद, सब्सिडी आदि पर आर्थिक सहायता दे रही है।

(5) उद्योगों का राष्ट्रीयकरण व समाजीकरण

स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात हमारे देश की सरकार ने कई उद्योगों व व्यवसायियों का राष्ट्रीयकरण किया। किसी उद्योग का राष्ट्रीयकरण करने पर सरकार को उसकी क्षति शर्तें पूरी करनी पड़ती है। तथा बड़े उद्योगों को चलाने व स्थापित करने में बहुत अधिक धन की आवश्यकता होती है।

(6) शहरीकरण में वृद्धि

शहरों में आधुनिक सुविधा एवं पर्याप्त रोजगार, अच्छी शिक्षा, आयात की सुलभता समुचित सुंदर एवं अन्य आकर्षणों के कारण देश में निरंतर शहरीकरण की प्रवृत्ति बढ़ रही है। शहरीकरण और उसमें भी बड़े नगरों की जनसंख्या में वृद्धि से लोक व्यय में वृद्धि होना स्वभाविक है। क्योंकि सरकार को शहरों में वहां की आवश्यकता के अनुकूल सड़क निर्माण, जल आपूर्ति, शिक्षा, विद विधुत, मनोरंजन के साधन, कीड़ा स्थान, सुरक्षा इत्यादि पर पर्याप्त व्यय कर रही है।

नोट: निवेश के धन के अलावा कर द्वारा प्राप्त धन का उपयोग भी उपरोक्त मदो में किया जाता है।

निष्कर्ष

बचत और निवेश का अर्थव्यवस्था को विकसित करने में महत्वपूर्ण योगदान है घरेलू बचत के संचय स्तर को बढ़ाकर बेरोजगारी को कम करने, अधिक तकनीकी विकास से सक्षम करने और सकल घरेलू उत्पाद और लोगों के आर्थिक, सामाजिक कल्याण में वृद्धि करने में मदद मिलेगी यह रणनीति देश की अर्थव्यवस्था के जोखिम को कम करेगी क्योंकि कुछ विकासशील देशों द्वारा सामना की जाने वाली एक बड़ी समस्या बाहरी ऋणों का बोझ और अंतरराष्ट्रीय निर्भरता है। इसलिए देश के सतत आर्थिक विकास में तेजी लाने के लिए बचत संचय और निवेश को बढ़ावा देने के लिए रणनीति शुरू करनी चाहिए।

हमारी बचत का निवेश और सरकार द्वारा उस धन का उपयोग और समय के बाद निवेश की मेच्योरिटी का लाभ भी निवेशक को मिल जाता है।

ये पूरा क्रम निवेशक, सरकार, और अर्थव्यवस्था सब को लाभ पहुंचता है।

संदर्भ

1. जागरण www.jagran.com
2. अर्थशास्त्र डॉ० वी०सी०सिन्हा पेज-192-193
3. 9 भारतवर्ष
4. https://www paisabazaar.com
5. https://www.india post.gov.in
6. https://www.policyx.comhindi
7. https://www.tv9hindi.com